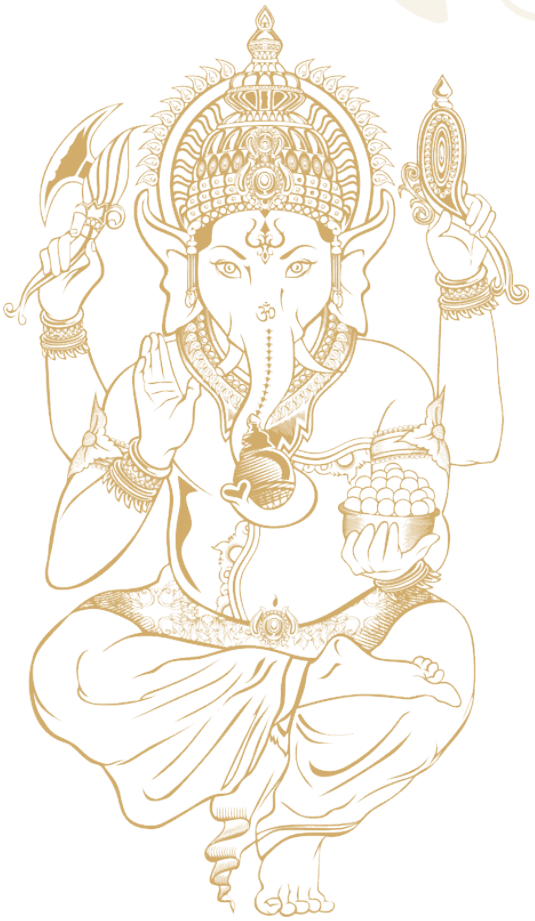

Hajaos

04 Feb 2026

03:25 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121163803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/02/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:25:00 घंटे**
इष्ट	20:42:47 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:03:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:54 घंटे
साम्पातिक काल	00:02:11 घंटे
सूर्योदय	07:07:53 घंटे
सूर्यास्त	18:02:33 घंटे
दिनमान	10:54:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:21:47 मकर
लग्न के अंश	18:31:03 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:31:03	315:41:44	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मक	21:21:47	01:00:49	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	22:56:10	13:13:52	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	15:10:40	00:47:02	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	कुंभ	01:17:48	01:46:20	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:46:08	00:06:15	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	28:14:08	01:15:15	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	04:45:32	00:06:06	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:48:45	00:00:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:48:45	00:00:39	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:10	00:00:01	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:00:46	00:01:44	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:34:52	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	06:22:27	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

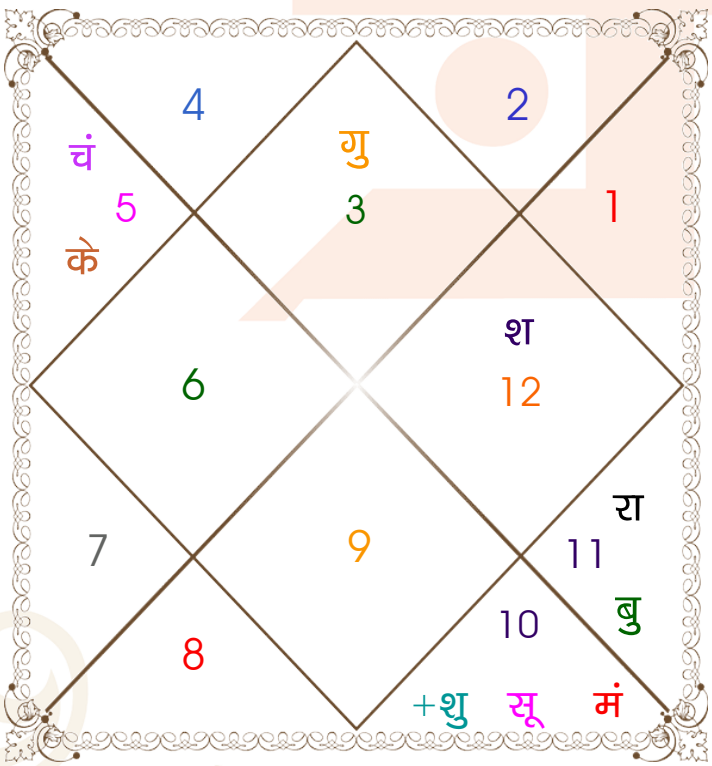

चन्द्र कुंडली

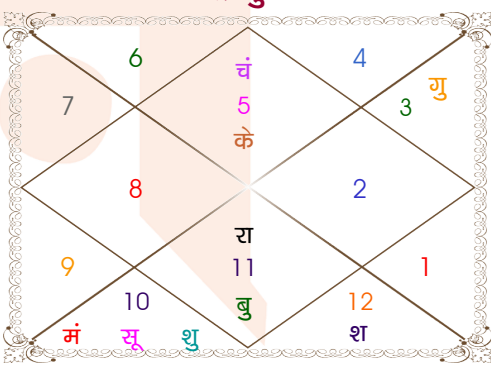

नवमांश कुंडली

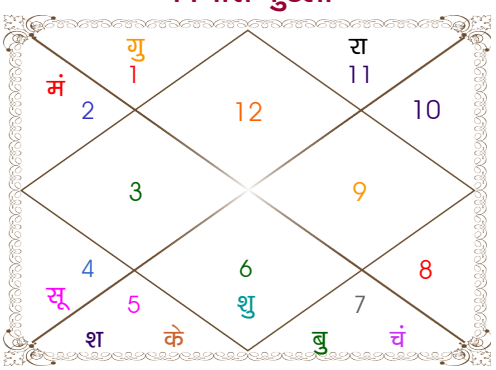

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 5 वर्ष 7 मास 4 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
04/02/2026		10/09/2031		10/09/2037		10/09/2047		10/09/2054	
10/09/2031		10/09/2037		10/09/2047		10/09/2054		09/09/2072	
	00/00/0000	सूर्य	29/12/2031	चंद्र	11/07/2038	मंगल	06/02/2048	राहु	23/05/2057
	00/00/0000	चंद्र	28/06/2032	मंगल	09/02/2039	राहु	24/02/2049	गुरु	17/10/2059
	00/00/0000	मंगल	03/11/2032	राहु	10/08/2040	गुरु	31/01/2050	शनि	23/08/2062
	00/00/0000	राहु	28/09/2033	गुरु	10/12/2041	शनि	11/03/2051	बुध	11/03/2065
	00/00/0000	गुरु	17/07/2034	शनि	11/07/2043	बुध	08/03/2052	केतु	29/03/2066
	04/02/2026	शनि	29/06/2035	बुध	10/12/2044	केतु	04/08/2052	शुक्र	29/03/2069
शनि	10/09/2027	बुध	04/05/2036	केतु	11/07/2045	शुक्र	04/10/2053	सूर्य	21/02/2070
बुध	11/07/2030	केतु	09/09/2036	शुक्र	11/03/2047	सूर्य	09/02/2054	चंद्र	23/08/2071
केतु	10/09/2031	शुक्र	10/09/2037	सूर्य	10/09/2047	चंद्र	10/09/2054	मंगल	09/09/2072

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/09/2072		09/09/2088		11/09/2107		10/09/2124		11/09/2131	
09/09/2088		11/09/2107		10/09/2124		11/09/2131		00/00/0000	
गुरु	28/10/2074	शनि	13/09/2091	बुध	07/02/2110	केतु	06/02/2125	शुक्र	11/01/2135
शनि	11/05/2077	बुध	23/05/2094	केतु	04/02/2111	शुक्र	09/04/2126	सूर्य	11/01/2136
बुध	17/08/2079	केतु	02/07/2095	शुक्र	05/12/2113	सूर्य	14/08/2126	चंद्र	11/09/2137
केतु	23/07/2080	शुक्र	01/09/2098	सूर्य	11/10/2114	चंद्र	15/03/2127	मंगल	11/11/2138
शुक्र	24/03/2083	सूर्य	14/08/2099	चंद्र	12/03/2116	मंगल	12/08/2127	राहु	10/11/2141
सूर्य	10/01/2084	चंद्र	15/03/2101	मंगल	09/03/2117	राहु	29/08/2128	गुरु	11/07/2144
चंद्र	11/05/2085	मंगल	24/04/2102	राहु	26/09/2119	गुरु	05/08/2129	शनि	05/02/2146
मंगल	17/04/2086	राहु	28/02/2105	गुरु	01/01/2122	शनि	14/09/2130		00/00/0000
राहु	09/09/2088	गुरु	11/09/2107	शनि	10/09/2124	बुध	11/09/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 5 वर्ष 7 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।